

डिकरी व मुकदमें इच्छादाई

(ऑर्डर 20, रूल 6-7 जया दावानो)

(Civil Procedure code, Appendix 'D'-1)

उपखण्ड अधिकारी

अदालत बीदासर मुकाम व

लाल वीठासीन अधिकारी :- श्री रामराम वर्मा R.A.S. वनाम

दावा वावत

मुकदमा नं० 74/15 सन

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रु-ब-रु

डिकरी

मिनजानिव मुद्दई व श्री राजराय हुवमनामा सं. 17/23

मिनजानिव मुदापलाह पेश होकर हुकम दिया जाता है व डिकरी दी जाती है कि **व्यक्ति**

किया जाता है कि उराना ख. सं. 40 नाराडी 11 बिघा 8 किष्का व ख. सं. 41 नाराडी 52 बिघा 8 किष्का जिसके वर्तमान ख. सं. 85 नाराडी 19 बिघा 3 किष्का व ख. सं. 86 नाराडी 17 बिघा 18 किष्का व ख. सं. 87 नाराडी 26 बिघा 19 किष्का वाके रोहि उपाधिमा नहसीस वीरालर में स्थित है। जिनके स्वात सर-बाबतकार प्रविवाडीगण सं. 1 व 2 का 1/8 हिस्सा उ प्रविवाडीगण सं. 3 का 8 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 8 व 9 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 9 व 10 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 11 व 12 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 13 व 14 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 25 नूनाराम उम्र मोहनराम का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 16 व 17 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडी सं. 20 का 1/8 हिस्सा व प्रविवाडीगण सं. 21 से 24 का 1/8 हिस्सा के हैं। वादगत खेतों का वर्तमान में जो राजस्व रेकार्ड है वे श्री जलतरफ मून्य हैं। वादगत खेतों के राजस्व रेकार्ड में 1/2 हिस्सा में खेत वलड प्राल का अंकन हुना वो श्री जलतर हो तमा वाद में वाडीगण के परि पित नया जौव प्र विवाडी के पितारक

चीज मुबलिंग बावत

खर्चा इस मुकदमे के मय सुद व शरह फीसदी सालाना आज की तारीख से तारीख वसूलमाबी तक को अदा करे। *

बसबा मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 11 माह 11 2019.



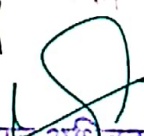
दस्तखत
उपखण्ड अधिकारी
ओहदा बीदासर

मुद्दई	रुपया	पै.	मुदायलाई	रुपया	पै.
स्टाम्प अर्जादावा			स्टाम्प बकालतनामा		
स्टाम्प वकालतनामा			स्टाम्प अर्जा		
स्टाम्प वजह सबूत			महनताना वकील पर		
महनताना वकील			खर्चा गवाहान		
खर्चा गवाहान			फीस कमिश्नर		
फीस कमिश्नर			बावत इजराय हुवमनामा		
बावत इजराय हुवमनामा			मुतफरिक		
मुतफरिक					
मीजान			मीजान		

नोट : खर्च के फार्म पर कुल खर्चा हर दो फरीकेन का, चाहे डिकरी के जरिये दिलाया गया हो या नही दर्ज करना चाहिये।

* कुन्धाराम के नाम $\frac{1}{2}$ हिस्सा दर्ज हुआ जो जयपुर एच ग्राम है तथा दोसरे
 नाम वारीगण एच जोग प्रसिवाडी के नाम वादगत लेने के रखल्य
 रेकार्ड में $\frac{1}{2}$ हिस्सा दर्ज हुआ है जोह जयपुर है जिसके सशोधित
 कर वादगत रकत रकमरा सं. 85, 86, 87 वाले रोहि उपाधियां के रखल्य
 रेकार्ड में प्रसिवाडी सं. 1 व 2 का $\frac{1}{8}$ हिस्सा व प्रसिवाडी सं. 3 ता 8 का
 $\frac{1}{8}$ हिस्सा व प्रसिवाडी सं. 9 व 10 का $\frac{1}{8}$ हिस्सा व प्रसिवाडी सं. 11 व 12 का
 $\frac{1}{8}$ हिस्सा व प्रसिवाडी सं. 13 ता 15 व प्रसिवाडी सं. 25 इनका एक ही
 मोहनसय सं $\frac{1}{8}$ प्रसिवाडी सं. 16 ता 19 का $\frac{1}{8}$ हिस्सा व प्रसिवाडी सं. 20 का
 $\frac{1}{8}$ हिस्सा व प्रसिवाडी सं. 21 ता 24 का $\frac{1}{8}$ हिस्सा दर्ज किया जाने का
 आज्ञा दिया जाता है तहसीलदार वीरलाल उपरोक्ता द्वारा शकल्य रेकार्ड में
 दर्ज करे। तथा वारीगण एच जोग प्रसिवाडी को परिये चिर निषेधात्
 वर्जित किया जाता है कि प्रसिवाडी सं. 1 ता 25 के खानेदारी कब्जा
 कायम के लेल ख. सं. 85 ता 19 विस 3 बिघा व ख. सं. 86
 ता 17 विस 17 बिघा व ख. सं. 87 ता 17 विस 19 बिघा
 वाले रोहि उपाधियां वर्तमान तहसीलदार वीरलाल में स्थित है के कब्जा
 कायम में किसी प्रकार की इतल नदानी नही देने म राजायत प्रेम
 के न प्रसिवाडी सं. वादगत लेने ले बदल करे। अन्य उक्त
 समय पर अपना-अपना कर करे।

निर्णय आज दिनांक 11-11-19 को मेरे द्वारा लिखा जाकर
 हुले न्यायालय में सुनाया गया तथा हाजिर उदासिन व दिनांकित
 किया गया।


 उपखण्ड अधिकारी
 बीदासर

